SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Medical Officer (Dental) — Dental Surgeon (Rajasthan)

चिकित्सा अधिकारी (दंत) — जिसे सामान्य बोलचाल में डेंटल सर्जन कहा जाता है — राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा का वह पद है जिस पर बी.डी.एस. करने वाला दंत चिकित्सक नियुक्त होता है। काम में दाँत एवं मुख की जाँच, क्षय, संक्रमण एवं...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-dental-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

चिकित्सा अधिकारी (दंत) — जिसे सामान्य बोलचाल में डेंटल सर्जन कहा जाता है — राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा का वह पद है जिस पर बी.डी.एस. करने वाला दंत चिकित्सक नियुक्त होता है। काम में दाँत एवं मुख की जाँच, क्षय, संक्रमण एवं मसूड़ों के रोगों का उपचार, दाँत निकालना, भराई, रूट कैनाल एवं कृत्रिम दाँत, मुख के कैंसर की प्रारंभिक जाँच, तथा विद्यालयों एवं समुदाय में मुख-स्वास्थ्य के शिविर एवं जागरूकता आती है। ग्रामीण राजस्थान की दृष्टि से इस पद का महत्त्व अलग है: दंत चिकित्सा को प्रायः तब तक टाला जाता है जब तक दर्द असह्य न हो जाए, और सरकारी अस्पताल का दंत चिकित्सक अनेक लोगों के लिए एकमात्र सुलभ विकल्प होता है, क्योंकि निजी दंत चिकित्सा महँगी है। एक बात इस पद के बारे में विशेष रूप से दर्ज की जा रही है: सेवा नियमों में इसका नाम "डेंटल सर्जन" नहीं, "चिकित्सा अधिकारी (दंत)" है — इसी नाम-भेद के कारण यह पद खोजने पर प्रायः नहीं मिलता।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	बी.डी.एस. (सेवा नियम 1963, अनुसूची, कनिष्ठ पद क्रमांक 13)
भर्ती संस्था	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — भर्ती की व्यवस्था चक्र के अनुसार भिन्न रही है; विज्ञप्ति देखें
आयु-सीमा	22 से 45 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1963) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर पदोन्नति से कोई नियुक्ति नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- दंत चिकित्सा एवं हाथ से किए जाने वाले सूक्ष्म काम में रुचि
- सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं निवारक चिकित्सा
- रोगियों से सीधा संवाद एवं उन्हें सहज करना

क्षमताएँ

- हाथों की स्थिरता एवं सूक्ष्म गति-नियंत्रण
- रोगी के भय को सँभालने का धैर्य — दंत चिकित्सा में यह रोज़ का काम है
- सीमित साधनों में उपचार की योजना बनाना

ज़रूरी कौशल

- दंत रोग-निदान एवं उपचार-योजना
- भराई, दाँत निकालना एवं शल्य-प्रक्रियाएँ
- रूट कैनाल एवं कृत्रिम दाँत (प्रोस्थेटिक्स)
- मसूड़ों के रोग एवं मुख-स्वच्छता
- मुख के कैंसर की प्रारंभिक पहचान — तंबाकू-सेवन वाले क्षेत्रों में यह महत्त्वपूर्ण है
- विद्यालय एवं सामुदायिक मुख-स्वास्थ्य कार्यक्रम
- संक्रमण नियंत्रण एवं उपकरणों का निर्जीवीकरण

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान) उत्तीर्ण करें।
2. नीट उत्तीर्ण करके बी.डी.एस. में प्रवेश लें। यह पाँच वर्ष का पाठ्यक्रम है जिसमें एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप सम्मिलित है। प्रवेश उसी नीट से होता है जिससे एम.बी.बी.एस. में होता है, इसलिए यह उन विद्यार्थियों के लिए स्पष्ट विकल्प है जो नीट देते हैं पर एम.बी.बी.एस. की सीट तक नहीं पहुँचते।
3. बी.डी.एस. पूरी करके राजस्थान डेंटल काउंसिल अथवा भारतीय दंत चिकित्सा परिषद में पंजीकरण कराएँ। पंजीकरण के बिना दंत चिकित्सा का अभ्यास वैध नहीं है।
4. आयु 22 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ऊपरी सीमा 45 है — इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि जिन दंत चिकित्सकों ने पहले एम.डी.एस. किया हो अथवा कुछ वर्ष निजी अभ्यास किया हो, उनके लिए भी यह द्वार खुला रहता है।
5. विज्ञप्ति ध्यान से पढ़ें — इस संवर्ग की भर्ती की व्यवस्था हर चक्र में एक जैसी नहीं रही है, और यह भी देखें कि पद "चिकित्सा अधिकारी (दंत)" के नाम से विज्ञापित है, "डेंटल सर्जन" के नाम से नहीं।
6. यदि आगे विशेषज्ञता लेनी है तो एन.ई.ई.टी.-एम.डी.एस. का रास्ता खुला रहता है, और उसे सेवा के साथ-साथ भी सोचा जा सकता है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- नियमों की अनुसूची में यह पद कनिष्ठ पदों के अंतर्गत क्रमांक 13 पर है और 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है; योग्यता केवल बी.डी.एस. है — कोई अतिरिक्त शर्त, अनुभव अथवा स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं। यह इसके ठीक ऊपर वाले पद, चिकित्सा अधिकारी (एम.बी.बी.एस.), के समान ढाँचा है।
- आयु-सीमा 22 से 45 वर्ष है, वही जो एम.बी.बी.एस. वाले पद की है। न्यूनतम 22 इसलिए कि बी.डी.एस. इंटर्नशिप सहित पाँच वर्ष की होती है; अधिकतम 45 राजस्थान के अधिकांश पदों से पाँच वर्ष अधिक है।
- इसी अनुसूची में क्रमांक 14 एवं 15 पर दो और पद हैं जिन्हें यह परियोजना पहले जानती ही नहीं थी — खाद्य विश्लेषक तथा नैदानिक मनोवैज्ञानिक। वे इस पद से भिन्न हैं, पर उसी अनुसूची में हैं, और यह दिखाता है कि नियमों की अनुसूची पढ़ना विज्ञप्ति खोजने से अधिक उपयोगी क्यों है।
- नाम को लेकर यह पृष्ठ जानबूझकर दोनों रूपों में लिखा गया है, और उसका कारण दर्ज करने योग्य है। इस परियोजना ने इस पद को हफ़्तों "डेंटल सर्जन" के नाम से खोजा, नहीं पाया, और 19 अगस्त को उसे अनुपस्थित मान लिया। सेवा नियमों में इसका नाम "चिकित्सा अधिकारी (दंत)" है और यह उसी अनुसूची में एम.बी.बी.एस. वाले पद के ठीक नीचे बैठा था। बी.डी.एस. करने वाले विद्यार्थी को यह जानना आवश्यक है, क्योंकि विज्ञप्ति भी इसी नाम से निकलती है।
- एक व्यावहारिक तुलना जो इस पद को समझने में सहायक है: राज्य में दंत चिकित्सकों के सरकारी पद एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों की तुलना में बहुत कम हैं, क्योंकि हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर दंत चिकित्सक का पद नहीं होता। इसलिए संवर्ग छोटा है और भर्ती कम बार आती है। दूसरी ओर, बी.डी.एस. करने वालों की संख्या भी एम.बी.बी.एस. की तुलना में कम है, इसलिए प्रतिस्पर्धा का अनुपात उतना विषम नहीं होता जितना पदों की संख्या देखकर लगता है।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं।

- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government Dental College and Hospital, Jaipur — जयपुर, राजस्थान (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in)
- Rajasthan University of Health Sciences — the affiliating university for dental colleges — जयपुर, राजस्थान (https://www.ruhsraj.org/)
- Government dental colleges elsewhere in India, reachable through NEET counselling — देश भर में
- Government senior secondary schools — Class 12 with biology — हर ब्लॉक में

ऑनलाइन

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- Dental Council of India — recognised colleges and registration — मान्यता एवं पंजीकरण का आधिकारिक स्रोत (https://dciindia.gov.in/)
- NEET — the entrance for BDS as well as MBBS — राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (https://neet.nta.nic.in/)
- National Oral Health Programme — भारत सरकार (https://mohfw.gov.in)

- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यहाँ भी सबसे बड़ा निर्णय सरकारी बनाम निजी महाविद्यालय का है, और दंत चिकित्सा में यह प्रश्न विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। सरकारी दंत महाविद्यालय में बी.डी.एस. का शुल्क अपेक्षाकृत कम रहता है, जबकि निजी महाविद्यालयों में वह कई गुना अधिक होता है — और चूँकि बी.डी.एस. के बाद आरंभिक आय एम.बी.बी.एस. की तुलना में प्रायः कम रहती है, निजी शुल्क का ऋण चुकाने में लंबा समय लगता है। यह गणना प्रवेश से पहले ईमानदारी से करनी चाहिए। महाविद्यालय चुनते समय भारतीय दंत चिकित्सा परिषद की मान्यता अवश्य जाँचें, क्योंकि पंजीकरण एवं पात्रता दोनों उसी पर निर्भर हैं। राज्य की छात्रवृत्तियाँ एवं अनुप्रति जैसी योजनाएँ इस राह पर लागू होती हैं। एक व्यावहारिक बात यह भी है कि बी.डी.एस. के बाद विकल्प केवल यह सरकारी पद नहीं — निजी अभ्यास, एम.डी.एस., दंत चिकित्सालयों में सेवा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम सब खुले रहते हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप-ज़िला एवं ज़िला चिकित्सालय के दंत विभाग, तथा विद्यालयों एवं समुदाय में लगने वाले मुख-स्वास्थ्य शिविर। दंत चिकित्सक का पद प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं होता, इसलिए नियुक्ति प्रायः उससे ऊपर के स्तर पर होती है।

कार्य-संस्कृति

दंत चिकित्सा का काम शारीरिक रूप से माँग करने वाला है और यह बात कम कही जाती है — घंटों झुककर, स्थिर हाथों से, सूक्ष्म स्थान में काम करना पड़ता है, और वर्षों बाद गर्दन एवं पीठ पर उसका असर पड़ता है; इसलिए मुद्रा एवं उपकरणों की व्यवस्था पर ध्यान देना पेशे का हिस्सा है। रोगी का भय दूसरा स्थायी पक्ष है: बहुत से लोग दंत चिकित्सक के पास तभी आते हैं जब दर्द असह्य हो जाए, और वे भयभीत होकर आते हैं — उन्हें सहज करना उपचार जितना ही आवश्यक होता है, और यह कौशल पुस्तक से नहीं आता। सरकारी सेवा में साधन सीमित रहते हैं और रोगियों की संख्या अधिक, इसलिए उपचार की योजना उपलब्ध सामग्री के अनुसार बनानी पड़ती है। इसके बदले में जो मिलता है वह स्पष्ट है: जिस क्षेत्र में निजी दंत चिकित्सा अधिकांश लोगों की पहुँच से बाहर है, वहाँ सरकारी दंत चिकित्सक का होना दर्द एवं संक्रमण से राहत का एकमात्र सुलभ मार्ग होता है। तंबाकू-सेवन वाले क्षेत्रों में मुख के कैंसर की प्रारंभिक पहचान इस पद का सबसे मूल्यवान योगदान बन जाती है, क्योंकि वह समय पर पकड़ा जाए तो जीवन बचता है।

कौन नौकरी देता है

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — दंत इकाइयाँ
- राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियाँ
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं ज़िला चिकित्सालय
- राजकीय दंत महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय (अलग सेवा नियमावली)

माँग (2026)

मुख-स्वास्थ्य भारत में लंबे समय तक उपेक्षित रहा है और अब राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उस पर ध्यान बढ़ा है, इसलिए सरकारी दंत चिकित्सकों की आवश्यकता बनी रहती है। फिर भी यह संवर्ग स्पष्ट रूप से छोटा है और इसे कम करके नहीं कहा जाना चाहिए: दंत चिकित्सक का पद हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं होता, इसलिए पदों की कुल संख्या एम.बी.बी.एस. चिकित्सा अधिकारी की तुलना में बहुत कम है और भर्ती कम बार आती है। इसका दूसरा पक्ष यह है कि बी.डी.एस. धारकों की संख्या भी एम.बी.बी.एस. की तुलना में कम है, इसलिए प्रतिस्पर्धा का अनुपात उतना विषम नहीं जितना दिखता है। योजना बनाते समय ईमानदार सलाह यह है कि बी.डी.एस. को केवल इस सरकारी पद के लिए न किया जाए — यह डिग्री निजी अभ्यास, एम.डी.एस., दंत चिकित्सालयों एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी चलती है, और सरकारी पद उन विकल्पों में से एक है, अकेला लक्ष्य नहीं। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. चिकित्सा अधिकारी (दंत) — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती, योग्यता बी.डी.एस.
2. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (दंत) — पदोन्नति से
3. ज़िला एवं मंडल स्तर पर दंत सेवाओं के वरिष्ठ पद
4. एम.डी.एस. करने पर विशेषज्ञ के रूप में तथा दंत महाविद्यालयों में शिक्षण का अलग मार्ग

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹85,000 – ₹1,15,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,30,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ एवं प्रशासनिक स्तर पर)

1963 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं। एक तुलना ईमानदारी से कही जानी चाहिए: बी.डी.एस. के बाद निजी अभ्यास की आरंभिक आय प्रायः अनिश्चित एवं कम रहती है, विशेषकर छोटे शहरों में, जबकि यह पद पहले दिन से नियमित वेतन एवं सेवा-सुरक्षा देता है — दंत चिकित्सा में यह अंतर एम.बी.बी.एस. की तुलना में और अधिक महसूस होता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- योग्यता केवल बी.डी.एस. — कोई अतिरिक्त शर्त अथवा अनुभव आवश्यक नहीं
- आयु-सीमा 45 वर्ष, इसलिए एम.डी.एस. अथवा निजी अभ्यास के बाद भी द्वार खुला
- निजी अभ्यास की अनिश्चित आरंभिक आय की तुलना में नियमित वेतन
- बी.डी.एस. धारकों की संख्या कम होने से प्रतिस्पर्धा का अनुपात उतना विषम नहीं
- उस क्षेत्र में सेवा जहाँ निजी दंत चिकित्सा अधिकांश की पहुँच से बाहर है

चुनौतियाँ

- संवर्ग छोटा है — दंत चिकित्सक का पद हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं होता
- भर्ती एम.बी.बी.एस. पदों की तुलना में कम बार आती है
- काम शारीरिक रूप से माँग करने वाला — गर्दन एवं पीठ पर वर्षों बाद असर
- सरकारी सेवा में साधन सीमित, इसलिए उपचार उपलब्ध सामग्री के अनुसार सीमित रहता है
- पद "डेंटल सर्जन" नाम से नहीं मिलता — विज्ञप्ति "चिकित्सा अधिकारी (दंत)" के नाम से आती है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियम, 1963 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023120504515221449 98Medical1963_merged.pdf

2. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/

3. भारतीय दंत चिकित्सा परिषद — https://dciindia.gov.in/

4. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार — राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम इसी के अधीन — https://mohfw.gov.in

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in